NEWS CLIPPING: 20.06.2018

THE PIONEER

वाईएमसीए कॉलेज

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1968 में हुई थी। 50 वर्ष पूरे कर चुके इस विश्वविद्यायल को वर्ष 1996 में अधिग्रहण करते हुए डिग्री कॉलेज बनाया था। वर्ष 2009 में इसे विश्वविद्यालय घोषित किया गया। इस विश्वविद्यालय में प्रोफेसरों की संख्या करीब 125 है। यहां ऑनलाइन दाखिले 11 जून से शुरू किए गए हैं। जुलाई से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र का मुख्य आकर्षण अंडरग्रेजुएट स्तर पर शुरू किए जा रहे छह नये पाठ्यक्रम हैं। इन नए पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक, एनिमैशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससी, मैथ एवं केमिस्ट्री में बीएससी ऑनर्स तथा बीबीए शामिल हैं। इसके अलावा, नये सत्र से एमसीए तथा बीटेक (कम्प्यूटर इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों की सीटें भी बढ़ाई गई हैं।

कोर्स

विवि में कोर्स

एमटेक के सभी पाठ्यक्रमों, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ तथा एनवायरमेंट साइंस में एमएससी, एमबीए, एमसीए, एमसीए (लेटरल एंट्री), फिजिक्स, कैमिस्ट्री व मैथ में बीएससी ऑनर्स, एनिमेशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससी तथा एम.ए. (जर्नलिज्म व मॉस कम्युनिकेशन) में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। बीटेक, एमटेक तथा एम.ए. के पाठ्यक्रमों को छोड़कर शेष सभी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई, 2018 है। एमटेक तथा एम.ए. के पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 जुलाई, 2018 तक किए जा सकते हैं। बीटेक व बीटेक (लेटरल एंट्री) के सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसायटी द्वारा जेईई परीक्षा तथा योग्यता परीक्षा में उत्तीर्ण अंकों के आधार पर किया जाएगा।

कुलपति का कथन

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने मौजूदा पाठ्यक्रमों तथा नये पाठ्यक्रमों के लिए सुविधाएं सृजित करने के उद्देश्य से कई कदम उठाए हैं, जिसमें नए शिक्षकों की भर्ती, नए क्लासरूम, लैब तथा कार्यालयों का निर्माण व नवीनीकरण, हॉस्टलों की मरम्मत तथा नई सुविधाएं सृजित करने के लिए विस्तार परियोजनाओं का क्रियान्वयन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को सभी प्रकार की सुविधाएं देने प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।